भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 1524

उत्तर देने की तारीख: 01.07.2019

उच्च शिक्षा के लिए निधियों की कमी

1524. श्री गोपाल शेट्टीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उच्च शिक्षा में विस्तार और सुधार के लिए निधियों की कमी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों के दौरान मंजूर/उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान उच्च शिक्षा पर कुल हुए व्यय में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): जी, नहीं। उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता में विस्तार और सुधार के लिए आवश्यक निधि बजटीय सहायता और उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण ऐजेंसी (हेफा) के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। हेफा केन्द्रीय शैक्षिक संस्थाओं की अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं के लिए निधि प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा स्थापित गैर बैंकिंग वित्त कम्पनी है।

(ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का बजट आवंटन और व्यय निम्नानुसार है:

(रूपए करोड़ में)

वर्ष	आवंटन		वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2016-17	28840.00	29703.20	29026.47
2017-18	33329.70	34862.46	33614.23
2018-19	35010.29	33512.11	31916.03

(ग): मानव संसाधन विकास मंत्रालय में उच्चतर शिक्षा पर कुल व्यय में निजी सेक्टर के भाग से संबंधित आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

*****